ISSN 2229-547X VIDEHA

𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯: 𑓓𑓕𑓕 𑒧 𑒁𑓀𑒏 𑓐𑓑 𑒁𑒏𑓂𑒙𑒴𑒥𑒩 𑓒𑓐𑓒𑓒 (𑒫𑒩𑓂𑒭 𑓑𑓕 𑒧𑒰𑒮 𑓑𑓗𑓘 𑒁𑓀𑒏 𑓓𑓕𑓕)

(𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 www.videha.co.in)

𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑒣𑓂𑒩𑒟𑒧 𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒲 𑒣𑒰𑒏𑓂𑒭𑒱𑒏 𑒃 𑒣𑒞𑓂𑒩𑒱𑒏𑒰: 𑒧𑒰𑒢𑒳𑒭𑒲𑒧𑒱𑒯 𑒮𑓀𑒮𑓂𑒏𑒵𑒞𑒰𑒧𑓂



𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯- 𑒣𑓂𑒩𑒟𑒧 𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒲 𑒣𑒰𑒏𑓂𑒭𑒱𑒏 𑒃-𑒣𑒞𑓂𑒩𑒱𑒏𑒰

𑒪𑒹𑒐𑒏: 𑒑𑒖𑒹𑒢𑓂𑒠𑓂𑒩 𑒚𑒰𑒏𑒳𑒩।



ᐃ ᒐӧ+ ᓇᶊᎠ+ᚷ ᓅᚷᵹᕕ ᚺᑯᛁ ᚹᒑᶩ:·ᑕ (©) ᗪᚷ++ ᒧᑝᐱ ᚺᚆᛈᐟ+ ᗝᑊ ᒐӧ+ ᚹᑊ ᚺᛏ+ ᑲᑶ ᓭᐟ ᐃᔆ ᶩ+ᓯᐱ ᓇᑳᐱ :·ᒋᵹᶩᶩ+ ᚺ⊙ᵟ ᑶᐟ+, ᚹᑊ ᛈᑭᛈᓇ᠄, ᚺ⊙ᵟ ᖶᓕ+ ᓇᐱᑲᑊ ᵟ ᓭᓕᑌᑶᐱ+ ᓭᑊᒧᶊᶩ ᚹᑊ ᚵᒐᛈ ᓭᓕᶩᑦᐣᓕ ᚺ⊙ᵟ ᓇᒣᚷᓕ-ᓭᓇᚷᑊ ᚻ +ᐃᒍ ᗴ ᓇᚹᐱ ᚺᑯᛁ

(c) ᕐ···- ᕐ·ᕐᕐ। ᓇᶊᎠ+ᚷ ᓅᚷᵹᕕ। ᒥᒍᓇᶩ+ ᐱᶲ ᗴ ᓇᓕ ᕐ··· ᓇ᠄ ᑶᓭᓇᕮᗴᒐᚷ ᶲᒍ http://www.geocities.com/.../bhalsarik_gachh.html , http://www.geocities.com/ggajendra ᚺᕤ ᒧ+ᒐᚷ ᚺ ᚺᒉᑊ ᓴ ᗱᒍ:· ᕐ··ᓭ + ᒐᵹ http://gajendrathakur.blogspot.com/2004/07/bhalsarik-gachh.html ᚹᚷ ᚵᒐᛈ :·ᵹᚷᚻᑕᒐᚷ ᛈ⊙ᒧ+ ᓭᒣᓕᐱᛈ ᒪᒐᵹᐱ+ ᚵᒐᛈ ᶋᶊᛈᓕ ᚺᑯ (ᶠᶲ ᕤᓕ ᒋᒍ http://videha.com/2004/07/bhalsarik-gachh.html ᒧ+ᒐᚷ, ᵹᐱ wayback machine of https://web.archive.org/web/*/videha 258 capture(s) from 2004 to 2016- http://videha.com/ ᒥᒍᓇᶩ+ ᐱᶲ- ᓭ⊙ᛈ ᛈ⊙ᒧ ᑮᐱ / ᛈ⊙ᒧ ᑮᐱ+ ᐃᐟᐱᑕᚷ)। ·ᑊ ᛈ⊙ᒧ+ ᒐᑳᒍ ::ᑕᚷᚻᑕ ᒐᐟᶠ ⊙+ ᗴ+ᚷ ᑊᛈ ᗝᐣᛈ ╲ᗴᓕᵟᶩ ᕐ··ᒣ ᓇ᠄ 'ᵟᐣᑲ' ᒐᓯᒋ। ::ᑕᚷᚻᑕᒐᚷ ᛈ⊙ᒧ+ ᓭ⊙ᛈ ᒪᒐᵹᐟ+ ᑶᐟ ᵟᐣᑲ- ᓭ⊙ᛈ ᛈ⊙ᒧ ᒐᵹ+ ·ᑊ ᒐᐟᶠ ᗪᶩ ᒐᓭ᠄ᒣᒍ ᚺᑯ, ᗴ http://www.videha.co.in/ ᒐᚷ ·ᑊ ᓭᶠᛏᐱ ᕶ:·ᐱ ᚺᑯ। ᚺᗝ "ᒥᒍᓇᶩ+ ᐱᶲ" ᗱᒍᶋᐟ 'ᵟᐣᑲ' ·ᑊ-ᒐᐟᶠ+ ᓭᵟᛉ+ ᓇᐱ ᛈ⊙ᒧ ᒥᕶ+ ᗱᒍᶋᐟ+ ᐃᐟᐱᑕᚷ+ ᚵᒐᛈ ᓭᶲᛉ ᒥ ᚷᑲᒍ ᚺᑯ।

(c)ᕐ···- ᕐ·ᕐᕐ। ᵟᐣᑲ: ᓭ⊙ᛈ ᛈ⊙ᒧᒐᵹ+ ·ᑊ-ᒐᐟᶠ ISSN 2229-547X VIDEHA (since 2004). ᓇᵹᐣ+: ᐱᗴᵹᚷ ᗝᚷ। Editor:

Gajendra Thakur. In respect of materials e-published in Videha, the Editor, Videha holds the right to create the web archives/ theme-based web archives, right to translate/ transliterate those archives and create translated/ transliterated web-archives; and the right to e-publish/ print-publish all these archives. [illegible] editorial.staff.videha@gmail.com [illegible] www.videha.co.in [illegible]





१.संपादकीय/ अंक ३५५ पर टिप्पणी

१.१.संपादकीय- गजेन्द्र ठाकुर

१.२.अंक ३५५ पर टिप्पणी

[illegible]



[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]:-

1. The Secretary, All India Maithili Sahitya Samiti, Tirbhukti, 1/1B, Sir P.C. Banerjee Road, Allahabad-211 002;
2. The General Secretary, Akhil Bharatiya Maithili Sahitya Parishad, C/o Dr. Ganapati Mishra, Lalbag, Darbhanga-846 004;
3. The Secretary, Chetna Samity, Vidyapati Bhawan, Vidyapati Marg, Patna-800 001;
4. The Secretary, Mithila Sanskritik Parishad, 6 B, Kailash Saha Lane, Kolkata-700 007;
5. The Secretary, Vidyapati Seva Sansthan, Mithila Bhavan Parishar, Darbhanga-846 004;
6. The Secretary, Centre for the Study of Indian

Traditions, Tantrabati Geeta Bhavan; Ranti House, Ranti, Madhubani-847 211

[illegible]

(1)The General Secretary, Akhil Bharatiya Maithili Sahitya Parishad, Professors' Colony, Digahi West Opp. of Primary School,Darbhanga-846 004, (Bihar)

2) The Secretary, Chetna Samiti, Vidhya Pati Bhavan, Vidyapati Marg, Patna-800 001 (Bihar)

3) The Secretary, Mithila Sanskritik Parishad, 6B, Kailash Saha Lane, Kolkata-700 007, (West Bengal)

4) The Secretary, Vidhya Pati Sewa Sansthan, Mithila Bhavan Parishar, Darbhanga-846 004, (Bihar)

5) The Secretary, Anand, Samajik Sanskritik Sahityik Manch, Rajkumarganj (Mirzapur Chowk), Darbhanga-846 004, (Bihar)

6) The General Secretary, Mithila Sanskritik Parishad, Roseberi 5032, Sahara Garden City, Adityapur-2 Jamshedpur-831 014, (Jharkhand)

7) The General Secretary, Akhil Bharatiya Mithila Sangh, G-6, Hans Bhavan, Wing 2 I.T.O., Bahadurshah Zafar Marg, New Delhi-110 002, (Delhi)

[illegible]

[illegible] A Parallel History of Maithili Literature [illegible]

२

[illegible]

३

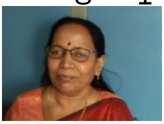
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]



[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] editorial.staff.videha@gmail.com [illegible]

[illegible]

[illegible]

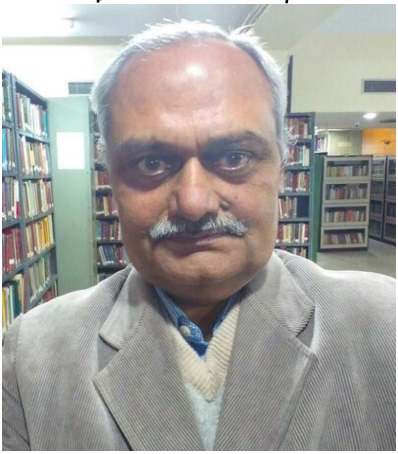


[illegible]

[illegible]

[illegible] editorial.staff.videha@gmail.com [illegible]

[illegible]



[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] editorial.staff.videha@gmail.com [illegible]

[illegible]



[illegible]

[illegible]

[illegible] editorial.staff.videha@gmail.com [illegible]

[illegible]

 [illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

....

[illegible]
[illegible]

....

[illegible]

[illegible]

. ...

[illegible]

....

[illegible]

....

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] editorial.staff.videha@gmail.com [illegible]

[illegible]



[illegible]

[illegible] editorial.staff.videha@gmail.com [illegible]

[illegible]



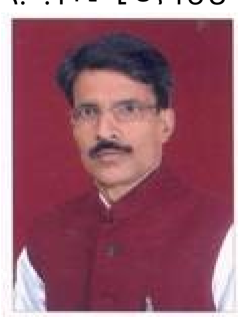
[illegible]

[illegible]

-𑒏𑒳𑒧𑒰𑒩 𑒧𑒢𑒼𑒖 𑒏𑒬𑓂𑒨𑒣, [illegible] 11, [illegible]-4, [illegible]-5, [illegible] ([illegible]), [illegible]-110023 𑒧𑒼. 9810811850 / 8178216239 [illegible] : writetokmanoj@gmail.com

𑒁𑒣𑒢 𑒧𑓀𑒞𑒫𑓂𑒨 editorial.staff.videha@gmail.com 𑒣𑒩 𑒣𑒚𑒰𑒅।

२.८.[illegible] 𑒏𑒳𑒧𑒰𑒩 [illegible]- [illegible]


[illegible] 𑒏𑒳𑒧𑒰𑒩 [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]

-[illegible] - 9986890429

[illegible] editorial.staff.videha@gmail.com [illegible]

[illegible]
[illegible]

(1)

कथा- 'पाथर'

ओहि परोपट्टामे मिथलेश बाबूक मकानक जोड़ा नहि छल. दूरहिसँ पता चलि जाइत छल. ठेसक कोनो जवाब नहि। झाँटि-बिहाड़िमे पहाड़ जेकाँ ठाड़. ने टस-सँ-मस। मकान एतेक चर्चित छल - जे टोलक नामे मिथिला टोल पड़ि गेल।

मिथलेश बाबूक दलान, खरिहिआन आ घर सभ बड्ड भव्य छल - दलान आ खरिहिआन बेस नमहर। टोलमे कोनो शादी-बिआह हुअए तऽ बरिआतिक मेल हुनकरे दलानक आश्रय छल। हुनकर दलान कतेको बेटीकेँ कन्यादान करवा चुकल छल। लगनक समयमे हुनकर दलानक स्वरूप रंगीन भऽ जाइत छल. वसंतक बयार बहए लागैत छल। चूँकि ओहि टोलमे तेहन कोनो तरहक स्थान नहि छल जतऽ कि कोनो तरहक सामाजिक उत्सवक आयोजन नीक जेकाँ करएल जा सकैत छल, नहि तऽ कोनो तरहक जनवासा छल आ नहि तऽ कोनो तरहक स्कूले छल। हालाँकि एकटा मिडिल स्कूल छल मुदा ओ टोलसँ दूर, बाधमे छल, जेकर कि शादी-बिआहमे कोनो उपयोगीता नहि छल।

मिथलेश बाबूक जमानामे मखान खरइ वाला मलाह सभ मखानक समयमे, हुनके दरवाजा पर डेरा दैत रहैत छल। टोलमे कोनो पंचैती हुअए तऽ मिथलेश बाबूक दलान पर पंचायतक बैठाड़ होअए।

भदबरिआमे जखन बदरी लागि जाइत छल, तऽ चारि-पाँचटा ताशक पार्टी गुलाम-बीबी-एक्का-दहलाक गणितमे ओझराएल, अपना जोड़ीकेँ जीतबाक दावेदारीमे एड़ी-चोटीक जोर लगाबए।

(२)

करबनो-काल बीच-बीचमे माहौल गरमा जाइत छल। कोनो-कोनो पार्टी क्षणिक आवेशक बादिमे मासिया कऽ उकटा-पैंची करऽ लागैत छल। लोक क्षणिक आवेशमे केहन उग्र रूप धारण कऽ लैत अछि आ केहन विकट परिस्थिति आबि जाइत अछि। एकर छोट-मोट उदाहरण एहिठाम देखबाए पड़ैत छल। मुदा, अंतमे सभ किछु शान्त भऽ जाइत छल।

मिथिलेश बाबूक आदत छलन्हि - दू टाइम चाय पीबाक - भोर आ साँझमे। ओहि टाइम दलान पर जे कोउ व्यक्ति उपस्थित रहथि, हुनका चाय मिलनाए अनिवार्य बूझू। ताहि हेतु कतेको लोक चाहक लोभे दरवाजा पर पैटकुनिआ देने रहथि।

दलानक आगूमे खरिहिआन बेस नमहर छल। खरिहिआनक चारू काते बेली, चम्पा-चमेली, गुलाब, सींगहार, अड़हुल आदि फूलक गाछ लागल। खरिहिआन कम पुष्पवाटिका अधिक बुझाइत छल। खरिहिआनक चारू काते बाँसक जाफरी लागल आ दूटा गेट छल। दूनू गेट पर अशोकक गाछ- ई गाछ आगान्तुक स्वागतमे सदिखन तैयार रहैत छल। केहनो तमसाएल व्यक्ति हुनकर दरवाजा पर पहुँचि जाइत छल तऽ हुनकर तामस छू-मंतर भऽ जाइत छल। हुनकर दलानक हवामे एकटा दोसरे मादिरा मिश्रित छल आहि मादिराकेँ पान करलाक उपरान्त मादिरा तामससँ प्रतिक्रिया कऽ तामसकेँ उदासीन बना दैत छल। खरिहिआनक एक कातमे चापाकल छल, जेकर शीतल आ मधुर जलसँ लोक तृप्ति होएत छल।

दलानक बगलसँ आँगन जएबाक रास्ता छल।

(३)

एहि प्रकारे पूरबसँ दलान आ एकटा घर, उत्तरसँ दुटा घर, पश्चिमसँ दुटा घर आ दक्षिणसँ दुटा घर—समटा पक्का - पोखरिया - पाटन। चारू कातसँ घर, बीचमे आँगन बेसनमहर। पछबरिया आ उत्तरबरिया कोनमे छत पर जएबाक लेल सीढ़ी छल। घर सभ बेस लैल-फैल आ बड्ड सुन्दर। घरमे सुख-शांतिक सरिता बहैत छल।

मिथलेश बाबूक स्वभाव बड्ड नीक, हुनक स्वभावमे शामिल छल - शांतचित्त, समाजसेवी, उदारचित्त, परोपकारी, सामाजिक कार्यमे सदिखन आगू रहब, कन्याकेँ शिक्षामे आगू करएमे विशेष योगदान - सचमुच गौ आदमी। तेहने हुनकर धर्मपत्नी - सुशीला देवी। मिथलेश बाबूक खेती-बाड़ी बड्ड विशाल, दरवाजा पर सदिखन एकटा महीस आ एकटा गाय - दूधक लेल। जहियासँ ट्रैक्टर खरीद लेलन्हि ओहि दिनसँ बथान बरदविहीन भऽ गेल।

मिथलेश बाबूकेँ दुटा बेटा - नरेश आ गणेश। दुनूटा बेटा नान्हिटासँ बदमाश - एकटा अगत्ती तँ दोसर खुरलुच्ची। मिथलेश बाबू कतेक प्रयास कएलन्हि - जे बेटा पढ़ि-लिखि मनुक्ख बनि जाए। मुदा दुनू बेटा शपथ खा लेने छल कि सूरज देवता पूरबसँ पश्चिममे उगाऽ लगताह, पढ़ब नहि, चाहे जे किछु भऽ जाए। हालाँकि मिथलेश बाबू पढ़ाबऽ खातिर दरवाजा पर एकटा मास्टर साहेबकेँ सेहो रखलन्हि, मुदा परिणाम विपरीते रहल। एतेक धरि सफलता मिलल, जे खीचि-तीरि कऽ नरेश आठवाँ तक आ गणेश सातवाँ तक पढ़िकऽ अंगूठा छाप कलंककेँ धोइ देलक

(4)

आ साक्षर बनि गेल। दूनूटा बेटा टोलक लुच्चा-लफंगाक सत्संगमे पड़िकऽ सुपुत्रसँ परिवर्तित भऽ कुपुत्र बनि गेल। दूनूटा बेटा बाइक लऽ कऽ दिनभरि चौक-चौराहा आ बाजारमे छिछियाइत रहैत छल। चौकक चाहक दोकान पर गुलछर्रा छोड़इत आ राजनीति पर बकछेदी करैत अपनाकेँ राजनेता सिद्ध करबाक विफल प्रयास करए। मिलै-जुलै कऽ ई दिनचर्या बनि चुकल छल। दूनू बेटाक क्रियाकलाप देखिकऽ मिथिलेश बाबूक आ हुनक पत्नीकेँ टेंशन बढ़ल जाइत छल। अंतमे कनिआ परामर्श देलखिन्ह - "जे नरेशकेँ विवाह कऽ दिऔक। शायद घर-गृहस्थीमे ओझरा कए सुधरि जाए।" मिथिलेश बाबू नरेशकेँ विवाह कऽ देलखिन्ह। मुदा नरेश खेती-गृहस्थी देखबाक बदला कनियामे ओझरा गेल, कनियाकेँ आगू-पाछू करए लागल, दिनभरि कनियामे सटल रहैत छल। मतलब कनियाकेँ बॉडीगार्ड बनि गेल।

गणेशक सेहो विवाह करबाक वयस भऽ गेल छल। गणेशकेँ पड़ोसक गाम करनौतीमे एकटा दोसर जातिक कन्यासँ प्रेम-प्रसंग चलैत छल। लड़की नव सांस्कृतिक रंगमे रंगल छल जेकरा ऊपर पाश्चात्य सांस्कृतिक मैल जमल छल, फैशनक बोखार लागल छल लड़की ऊपरसँ गोर मुदा भीतरिया कारी। एहि प्रेम-प्रसंगक बिहाड़ि कतेक बेर उठि चुकल छल। अड़ोस-पड़ोसमे, चौक-चौराहा पर आ मौगी-मेहरमे सेहो कानाफूसी होमऽ लागल छल। एहि तरहक प्रेम-प्रसंगक चर्चा आगिक लपेटि जेकाँ बहुत तेजीसँ फैलि जाइत अछि। गामक चौक पर एहन खबरिकेँ लोक नूनगर-चहटगर बनाकऽ खूब सुनाबैत अछि, जेना-आइ दूनूटाकेँ

(5)

ओहि बाधमे देखलहूं. काल्हि बाजारक सिनेमा हॉलमे आ परसू मंदिरक पछुआड़मे। मिथलेश बाबूकेँ सेहो एहि खबरिकेँ बारेमे एक दिन पता चलि गेल। मिथलेश बाबू आ हुनक पत्नी गणेशकेँ कतेक बेर समझैबाक प्रयास कएलन्हि परञ्च गणेश नहि मानलक। अंतमे मिथलेश बाबू मर्माहत भऽ गेलाह आ गणेशकेँ बिआह कऽ देखलन्हि।

वर्ष धरि घर-गृहस्थी सभ ठीके-ठाक चालि रहल छल। बरखक बादमे घरमे खटपटक सुगबुगाहट होमए लागल। दूनू पुतोहु आ सासमे अनबन शुरु होमए लागल. कखनो काजक लेल आ कखनो कोनो वस्तुक लेल। धीरे-धीरे ई अनबन कहियो-काल महाभारतक रूप लऽ लैत छल। घरमे जतऽ शांतिक सरिता बहैत छल ओतऽ आब अशांतिक आगि लागि गेल। लोक चाहे तऽ नमहर बातकेँ परदासँ झाँपि कऽ ओकरा फूसि बना सकैत अछि आ छोट बातमे मिरचाइ लगाकेँ ओकरा बतंगड़ बना सकैत अछि। जाधरि लोक परिवार आ समाजमे सामंजस्यताक जोलनहि बीनत ताधरि सुख-शांतिक कल्पना करब असंभव अछि। रोज-रोज कलहसँ त्रस्त भए मिथलेश बाबूक ब्लडप्रेशर हाई रहए लागल. ओ अस्वस्थ भऽ गेलाह। एक दिनक दिलक दौरा पड़लन्हि ओ कालक गालमे समा गेलाह आ स्वर्गवास भऽ गेलाह। एहि सदमासँ पीड़ित हुनक पत्नी अस्वस्थ रहए लगलीह ओ सेहो एक दिन भगवानक घर विदा भऽ गेलीह।

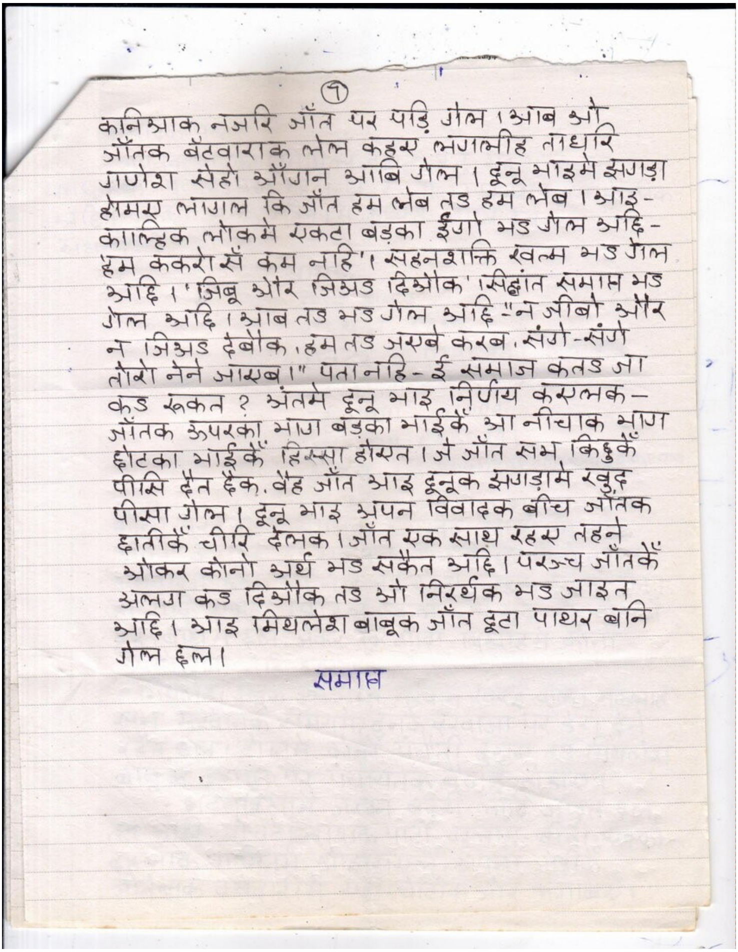
सभ किछु समय पर हुअए तऽ नीक लगैत अछि

(6)

मुदा समयसँ पूर्व होएब आ समयक उपरान्त तऽ लोकक दिलमे कचोट होइत अछि। ईश्वरक नियमक चक्र समयानुकूल घूमैत अछि, सभ किछु नियत समय पर होइत अछि - समय पर सर्दी, समय पर गर्मी आ समय पर बरसात। मुदा हमरा लोकनि स्वार्थसँ वशीभूत भऽ कऽ प्रकृतिकेँ साथ छेड़छाड़ करैत छी। ताहि हेतु परिणाम विपरीत आबि जाइत अछि।

एहि बीच नरेशाकेँ एकटा बेटा भऽ गेल आ गणेशाकेँ एकटा बेटी जन्म लेलक। आब घरक महाभारत विकराल रूप धारण कऽ लेलक, रोज कोनो-न-कोनो फसाद, पानि माथसँ ऊपर भेल जा रहल छल। दुनू भाइ सेहो एक-दोसरकेँ देखऽ नहि चाहैत छल। अंतमे निर्णय भेल - रवि दिन पाँचटा पंच बजाकऽ सभ किछुक बँटवारा कऽ देल जाए। रवि दिन साँझखन पंच सभ अएलाह - बँटबाक प्रक्रिया शुरू भेल। खेत-पथारि, कलम-गाछी, घर-द्वारि सभ किछुक बँटबारा भऽ गेल। बड़का बेटाकेँ तीनटा घर, छोटका बेटाकेँ तीनटा घर, दलान साझिआ आ एकटा घरक दाम लगाएल गेल। काल्हि तक जे सभ किछु एक जगह छल आइ ओ सभटा दू जगह भऽ गेल, एक-दोसरसँ सभ किछु अलग भऽ गेल। बँटैत-बँटैत राति भऽ गेल आ पंच सभ अपन-अपन घर चालि गेलाह।

दरवाजा परसँ नरेश आँगन आएल, अपना हिस्सामे पड़ल उत्तरबरिया घरक दुहारि पर पड़ल जाँत पर ओकर नजरि पड़ि गेल। एखन धरि जाँतक बँटबारा नहि भेल छल, जाँतपर ककरो नजरि नहि गेल छल। नरेश जाँतकेँ घरमे राखऽ लागल, तखने गणेशाक



(७)

कनिआक नजरि जाँत पर पड़ि गेल। आब ओ जाँतक बँटवाराक लेल कहए लगलीह ताधरि गणेश सेहो आँगन आबि गेल। दुनू भाइमे झगड़ा होमए लागल कि जाँत हम लेब तँ हम लेब। आइ-काल्हिक लोकमे एकटा बड़का ईगो भऽ गेल अछि- हम ककरोसँ कम नहि'। सहनशक्ति खत्म भऽ गेल अछि। 'जिबू और जिअऽ दिऔक' सिद्धांत समाप्त भऽ गेल अछि। आब तँ भऽ गेल अछि "न जीबो और न जिअऽ देबौक, हम तँ जएबे करब, संगे-संगे तोरो नेने जाएब।" पता नहि- ई समाज कतऽ जा कऽ रुकत? अंतमे दुनू भाइ निर्णय करलक- जाँतक ऊपरका भाग बड़का भाईकेँ आ नीचाक भाग छोटका भाईकेँ हिस्सा होएत। जे जाँत सभ किछुकेँ पीसि दैत छैक, वैह जाँत आइ दुनूक झगड़ामे खुद पीसा गेल। दुनू भाइ अपन विवादक बीच जाँतक छातीकेँ चीरि देलक। जाँत एक साथ रहए तहने ओकर कोनो अर्थ भऽ सकैत अछि। परञ्च जाँतकेँ अलग कऽ दिऔक तँ ओ निरर्थक भऽ जाइत अछि। आइ मिथिलेश बाबूक जाँत टूटा पाथर बनि गेल छल।

समाप्त

[illegible], shivshankar0040@gmail.com [illegible] editorial.staff.videha@gmail.com [illegible]

[illegible]

 [illegible]

[illegible]

1

[illegible] (Amitabh Bachchan) 2022 [illegible] (Kaun Banega Crorepati)' [illegible] (Amitabh Bachchan KBC)+ [illegible]

[illegible] 'A) [illegible], B) [illegible], C) [illegible], D) 2 [illegible] D [illegible] 2 [illegible]

[illegible]

[illegible]
https://www.youtube.com/watch?v=r5JS2fZU70U

2

[illegible] 2021 [illegible]

[illegible] (11)- "[illegible]"

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] 2122 / 2122 / 2122 / 212 [illegible]

[illegible]

[illegible] 2122 / 2122 / 2122 [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] 1222 / 1222 / 1222 / 1222 [illegible]

[illegible]
[illegible]

[illegible] 2122 / 2122 / 2122 / 212 [illegible]

4

[illegible]

5

[illegible] (-6), [illegible] (-9), [illegible]

[illegible]

6

[illegible]

7

[illegible]

𑀳𑀰𑀫𑀽, 𑀟𑀸. 𑀭𑀫𑀣𑀢𑀦𑀼 𑀥𑀻𑀭𑀚, 𑀚𑀕𑀤𑀻𑀰𑀘𑀦𑁆𑀤𑁆𑀭 𑀞𑀸𑀓𑀼𑀭 '𑀬𑀡𑀘', 𑀟𑀸. 𑀥𑀻𑀭𑁂𑀦𑁆𑀤𑁆𑀭 𑀥𑀻𑀭,
𑀥𑀻𑀭𑁂𑀦𑁆𑀤𑁆𑀭 𑀥𑀻𑀭𑀚, 𑀚𑀡𑀦𑁄 𑀘𑀘𑀦, 𑀟𑀸. 𑀤𑁂𑀯𑀰𑀗𑁆𑀓𑀭 𑀦𑀯𑀻𑀦, 𑀭𑀫𑀦𑀸𑀣𑀮 𑀓𑀧𑀟𑀸
'𑀦𑀸𑀫𑀭', 𑀟𑀸. 𑀯𑀺𑀦𑀢 𑀬𑀦𑁆𑀢𑀼, 𑀟𑀸. 𑀭𑀫𑀤𑁂𑀯 𑀧𑀺, 𑀩𑀩 𑀰𑀺𑀡𑀣, 𑀟𑀸. 𑀰𑀳𑀘𑀓 𑀯𑀸𑀲
𑀟𑀸. 𑀓𑀫𑀘𑀫𑀳𑀦 𑀘𑀼, 𑀟𑀸. 𑀦𑁂𑀦𑁆𑀤𑁆𑀭, 𑀫𑀰𑀦 𑀚𑀦𑀓𑀧𑀻, 𑀬𑀚𑀢 𑀬𑀚𑀤,
𑀚𑀮𑀧𑀺𑀳𑀫𑀦 𑀚𑀳𑀻, 𑀬𑀰𑀓 𑀤𑀢 𑀲𑀤𑀰 𑀭𑀘𑀡𑀓𑀭𑀘𑀓𑀡𑀻 𑀕𑀚𑀘 𑀡𑀫𑀲𑀁
𑀓𑀙 𑀘𑀼𑀢𑀩𑀓 𑀲𑀳𑀲 𑀓𑀭𑀢𑀣 𑀯 𑀦𑀳! 𑀚𑀁 𑀧𑀘𑀼𑀢𑀕𑀺𑀢 𑀲𑀳𑀢𑀓𑀭𑀲𑀦𑀓
𑀬𑀢𑀺𑀭𑀓𑁆𑀢 𑀲𑀓𑀟𑀸 𑀭𑀘𑀡𑀥𑀼 𑀕𑀚𑀘𑀫 𑀓𑀘𑀫 𑀦𑀳 𑀦𑀁𑀚𑀢 𑀭𑀳𑀢𑀣 𑀢𑀁
𑀭𑀚𑀯𑀭𑀦𑁆𑀦 𑀫𑀰𑀼, 𑀦𑀯𑀘𑀰𑀻 𑀧𑀚, 𑀧𑀺𑀧𑀡𑀭𑀮𑀡 𑀯𑀲𑀼 𑀬𑀰𑀺 𑀬𑀦𑀘𑀼,
𑀫𑀣𑀘 𑀧𑀰𑀓𑁆𑀢, 𑀧𑀧𑀺 𑀧𑀬, 𑀬𑀫𑀢 𑀫𑀰𑀼, 𑀓𑀦𑀓𑀫𑀭 𑀓𑀦𑀼, 𑀩𑀘𑀫𑀓𑀦,
𑀬𑀦𑀘𑀺 𑀞𑀸𑀓𑀼𑀭, 𑀲𑀫𑀢 𑀫𑀰𑀼 𑀬𑀧𑀲𑀦 𑀭𑀘𑀡𑀓𑀭 𑀚𑀡 𑀦𑀳 𑀕𑀚𑀘
𑀬𑀥𑀮𑀦-𑀘𑀢𑀦𑀧𑀲 𑀧𑀯𑀢 𑀦 𑀧𑀩𑀢𑀣 𑀯 𑀦𑀳𑁇"
𑀧𑀦𑀓𑀭 𑀅𑀳 𑀦𑀫𑀓𑀓 𑀰𑀭𑀬𑀢𑀫 𑀅𑀳𑀦 𑀚𑀫𑀢 𑀓𑀭 𑀘𑀺 𑀓𑀺 𑀙𑀣 𑀚
𑀩𑀡 𑀡𑀮𑀫 𑀭𑀘𑀡𑀓𑀁 𑀕𑀚𑀘 𑀓𑀳𑀩𑀲𑀁 𑀧𑀭𑀳𑀚 𑀓𑀺𑀅 𑀫𑀤 𑀧𑀫𑀭𑀚𑀫
𑀅𑀢𑀓 𑀲𑀳𑀲 𑀓𑀅𑀓 𑀦𑀼 𑀙𑀡 𑀚 𑀮 𑀩𑀡 𑀡𑀫 𑀘𑀼𑀦𑀼 𑀘𑀺 𑀓𑀺 𑀙𑀣𑁇
𑀲𑀳𑀢𑀫 𑀙𑀣 𑀢𑀁 𑀅𑀓 𑀝𑀬 𑀲𑀳𑀲 𑀭𑀳𑀩𑀓 𑀘𑀳 𑀧𑀫𑀭𑀚 𑀘𑀕𑁇
𑀦𑀫𑀓𑀓 𑀤𑀲𑀭 𑀦𑀕𑀫 𑀧𑀫𑀭𑀚 𑀕𑀚𑀘𑀓 𑀂𑀢𑀳𑀲𑀓𑀁 𑀕𑀘𑀢 𑀓𑀭𑀩𑀓
𑀓𑀺𑀢 𑀧𑀮𑀲 𑀓𑀘𑀳 𑀬𑀯𑁇 𑀅𑀳 𑀧𑀲𑀕𑀫 𑀫𑀣𑀘 𑀕𑀚𑀘𑀓 𑀓𑀚 𑀲𑀳
𑀲𑀭𑀚𑀡𑀓 𑀬𑀯 𑀬 𑀧𑀫𑀭𑀚𑀓 𑀓𑀣𑀦 𑀲𑀳 𑀳𑀫 𑀤𑀘𑀧𑀁𑁇 𑀧𑀑𑀓 𑀢𑀮 𑀓
𑀘𑀢𑀳𑁇
𑀅𑀓𑀭 𑀬𑀢𑀺𑀭𑀓𑁆𑀢 𑀬𑀳 𑀦𑀫𑀓𑀫 𑀧𑀫𑀭𑀚 𑀘𑀼 𑀙𑀣 (𑀧𑀼-14)- "𑀫𑀤 𑀮𑀓𑀭
(𑀭𑀘𑀡𑀓𑀁) 𑀕𑀺𑀚 𑀓𑀭𑀩𑀓 𑀓𑀭𑀩𑀓 𑀬𑀥𑀓𑀭 𑀯 𑀲𑀫𑀮 𑀓𑀓𑀰 𑀦𑀳 𑀭𑀳𑀢
𑀙𑀓𑀺𑁇" 𑀅𑀳 𑀓𑀣𑀦𑀓 𑀓𑀻 𑀫𑀢𑀘𑀩 𑀙 𑀲 𑀳𑀫𑀭 𑀦𑀳 𑀩𑀧𑀅𑀘𑁇 𑀭𑀘𑀡𑀓𑀁
𑀓𑀟 𑀕𑀺𑀚 𑀓𑀂𑀅 𑀦𑀼 𑀲𑀓𑀅 𑀫𑀤 𑀓𑀡 𑀭𑀘𑀡𑀓𑀁 𑀘𑀕𑀓 𑀚𑀩𑀭𑀤𑀬𑀘𑀩𑀘
𑀘𑀕 𑀓 𑀧𑀭𑀲𑀩𑀓 𑀧𑀮𑀲 𑀓𑀺 𑀙𑀣 𑀢𑀁 𑀮𑀳 𑀘𑀩𑀘𑀓𑀁 𑀕𑀺𑀚 𑀓𑀭𑀩𑀓
𑀬𑀥𑀓𑀭 𑀲𑀫𑀓-𑀬𑀘𑀘𑀓𑀓𑀁 𑀚𑀭 𑀤𑀘 𑀕𑀘 𑀙 𑀲𑀫𑀚 𑀤𑀭 𑀬 𑀢𑀁𑀂
𑀂 𑀓𑀳𑀩𑀫 𑀓𑀡 𑀲𑀓𑀘 𑀦𑀼 𑀚 𑀅𑀳 𑀝𑀣𑀓 𑀭𑀘𑀡 𑀕𑀚𑀘𑀓 𑀫𑀧𑀲𑀟𑀧𑀭
𑀦𑀼 𑀬𑀯𑁇
𑀙𑀝 𑀓𑀘𑀕𑀟 𑀘𑀘 𑀧𑀫𑀭𑀚 𑀡𑀫𑀳 𑀘𑀢𑀳 𑀫𑀤 𑀦𑀯𑀳𑀫 𑀚𑀕𑀦 𑀫𑀳𑀦𑀢
𑀯𑀯 𑀲𑀦𑀳𑀓 𑀝𑀚 𑀭𑀳𑀢 𑀢𑀕𑀦 𑀧𑀦𑀓𑀭 𑀓𑀚𑀓 𑀡𑀫𑀡𑀰𑀦 𑀦𑀳 𑀩𑀘𑀢𑀡𑁇
8

[illegible]

9

[illegible]

[illegible]

[illegible] editorial.staff.videha@gmail.com [illegible]

३. [illegible]

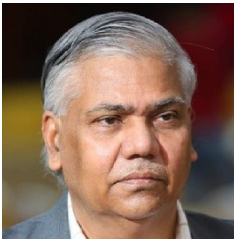
३.१. [illegible]

३.२. [illegible]

३.३. [illegible]

३.४. [illegible]

३.१. [illegible]



[illegible]

[illegible]

[illegible] editorial.staff.videha@gmail.com [illegible]

३.३. [illegible] - ३ [illegible]



[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] editorial.staff.videha@gmail.com [illegible]

३.३.[illegible]

 [illegible]

[illegible]

हम मिथिला के वासी ,

बाजब हम्मर मैथिली अछी।

मंडन मिश्र के आंगन में भारती ,

शंकराचार्य के हरौलन अछी।

विद्यापति लेल जहां महादेव ,

उगना बनी ऐला।

एहन मिथिला गाम हम्मर ,

जहां सीता मां जन्म लेला।

थानेश्वर , कुशेश्वर अछी ,

बाबा के धाम ।

उच्चैठ, श्यामा आ अहिल्या ,

माता के स्थान ।

माछ, दही , पान, मखान ,

अछी भोजन प्रधान।

पाग, खराम से होई छइ ,

हम्मर अप्पन पहचान।

कोशी , कमला , बलान बहै ,

झिझरी , कज्री , सामा गीत।

मधुबनी पेंटिंग विश्वविख्यात ,

आ जाट - जट्टीन खेल।

मिथिला हम्मर जन्मभूमि ,

ई हम्मर पहचान अछी।

सदीखन मिथिला आगु बडा,

मनक इच्छा प्रधान अछी।

समता कुमारी

शिक्षिका, समस्तीपुर, बिहार।

।

-𑒮𑒧𑒞𑒰 𑒏𑒳𑒧𑒰𑒩𑒲, 𑒬𑒱𑒏𑓂𑒭𑒱𑒏𑒰, 𑒮𑒧𑒮𑓂𑒞𑒲𑒣𑒳𑒩, 𑒥𑒱𑒯𑒰𑒩𑓃

𑒆 𑒩𑒒𑒢𑒰 𑒣𑒩 𑒁𑒣𑒢 𑒧𑒢𑓀𑒞𑒫𑓂𑒨 editorial.staff.videha@gmail.com 𑒣𑒩 𑒣𑒚𑒰𑒅𑓃

[illegible]



[illegible]



- [illegible], 823001, 9934847941
[illegible] editorial.staff.videha@gmail.com [illegible]

[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]



[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

([illegible])

[illegible] editorial.staff.videha@gmail.com [illegible]


Videha
e-Learning
Gajendra Thakur